

तब विद्वान बने 6. निश्चित करना उदा. राजदुन कहूँ सुभ दिन साधा -तुलसी 7. मौन ग्रहण करना उदा. देखि दसा चुप नारद साधी-तुलसी 8. सिद्ध करना, पूर्ण करना।

साधना³ स.क्रि. (तत्.) संधान करना, निशाना लगाना, लक्ष्य करना उदा. विषम बाण साध्यौ-सूरदास।

साधनासीन वि. (तत्.) 1. साधना में बैठा या लगा हुआ, साधना करता हुआ 2. उपासना करता हुआ।

साधनिक वि. (तत्.) 1. साधन-संबंधी, साधन का 2. साधनों से संपन्न, साधनायुक्त।

साधनी स्त्री. (तत्.) 1. लोहे या लकड़ी का एक उपकरण जिससे दीवार के तल की सीध नापी जाती है 2. मकान आदि बनाने वाला कारीगर।

साधनीय वि. (तत्.) 1. जो साध्य हो 2. जिसकी साधना होने को हो 3. जो साधना से प्राप्य हो।

साधयिता वि. (तत्.) साधन करने वाला, साधक।

साधर्मिक पुं. (तत्.) 1. समान धर्म का अनुयायी, सधर्मी 2. समान गुणों से युक्त 3. समान जाति या संप्रदाय का।

साधर्म्य पुं. (तत्.) समान धर्म होने का भाव या गुण, एक धर्मता, तुल्यधर्मता समानता।

साधस पुं. (तत्.) 1 भय 2. हड़बड़ाहट, घबराहट 3. प्रतिमा।

साधानिक वि. (तत्.) 1. साधन-संबंधी, साधन का 2. साधनों से संपन्न, साधनयुक्त।

साधायितव्य वि. (तत्.) 1. जो सिद्ध करने योग्य हो 2. जिस कार्य का सा साधन किया जा सके।

साधार वि. (तत्.) 1. जो आधार युक्त हो 2. लेख, विचार, प्रमाण आदि की दृष्टि से जिसका कोई आधार हो। 3. तथ्यपूर्ण।

साधारण वि. (तत्.) 1. जो सामान्य हो 2. जो सहजतया सर्वत्र उपलब्ध हो, आम 3. जिसमें अन्य की अपेक्षा कोई विशेषता न हो 4. प्राकृत,

सहज 5. निर्विशेष, मामूली 6. सरल, सदृश, समान।

साधारण गांधार पुं. (तत्.) संगीत में वज्रिका नामक श्रुति से आरंभ होने वाला एक तरह का विकृत स्वर जिसमें तीन श्रुतियाँ होती हैं।

साधारणतः अव्य. (तत्.) 1. सामान्यतया, सामान्य रूप से 2. मामूली तौर पर।

साधारणतया वि. (अव्य.) 1. सामान्य रूप से 2. आमतौर पर।

साधारणता स्त्री. (तत्.) 1. साधारण होने की अवस्था, गुण या भाव 2. सामान्यता।

साधारणधर्म पुं. (तत्.) 1. सामान्य कर्म, व्यवहार या कर्तव्य जो सब के लिए समान हो 2. वह धर्म, नियम या विधान जो सबके लिए बना हो 3. वह, गुण तत्त्व या धर्म जो विभिन्न प्रकार के पदार्थों में समान रूप से पाया जाता हो।

साधारण निर्वाचन पुं. (तत्.) वह निर्वाचन जिसमें प्रत्येक चुनाव क्षेत्र से प्रतिनिधियों का चुनाव किया जाता है, आमचुनाव।

साधारण वाक्य पुं. (तत्.) हिंदी भाषा में वाक्य के तीन प्रकारों, (साधारण, मिश्र, संयुक्त) में से एक जिसमें एक कर्ता और एक क्रिया होती है तथा कर्म आदि कारक भी प्रयुक्त होते हैं जैसे- 1. बालक खेलता है 2. वह कलम से पत्र लिखता है 3. वह यज्ञशाला में निर्धनों को अपने हाथ से धन देता है।

साधारणीकरण पुं. (तत्.) 1. साहित्य में रसनिष्पत्ति की वह स्थिति जब दर्शक या पाठक रंगमंच में कोई अभिनय देखकर या काव्य पढ़कर या सुनकर उन अभिनेय पात्रों के साथ या विषय वस्तु की अनुभूति के साथ तादात्म्य करता हुआ उसका रसास्वादन करता है 2. किसी सामान्य गुण या धर्म के आधार पर अनेक गुण-तत्त्वों को एक तल पर एक वर्ग में लाना।

साधारण्य पुं. (तत्.) 1. साधारण होने का भाव 2. साधारणता।